प्रादेशिक समाचार बुलेटिन,
आकाशवाणी, लखनऊ।

प्रसारण तिथि : 25.06.2025 प्रसारण समय : 19:20 बजे

मुख्य समाचार :–

1. लखनऊ के शुभांशु शुक्ला एक्सिओम–4 मिशन के तहत अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना : कैप्टन शुक्ला ने अंतरिक्ष से संदेश भेज इस मिशन को बताया भारतीय मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत।
2. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा– 140 करोड भारतीयों की उम्मीदों को लेकर आगे बढ रहे हैं शुभांशु शुक्ला : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी दी शुभकामनाएं।
3. केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आगरा में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के रीजनल सेंटर की स्थापना को मिली मंजूरी : किसानों ने जताया प्रधानमंत्री का आभार।
4. आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर आज मनाया जा रहा है संविधान हत्या दिवस : लोकतंत्र को बचाने के लिए बलिदान देने वालों को दी जा रही है श्रद्धांजलि। और
5. प्रदेश में रुक–रुक कर बारिश से पश्चिमी ज़िलों में नदियों का जलस्तर बढ़ा : प्रशासन ने बाढ़ चौकियों को किया अलर्ट।

————————

लखनऊ के रहने वाले भारतीय वायुसेना के अधिकारी और अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने आज फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से एक्सिओम

मिशन 4 के पायलट के रूप में सफलतापूर्वक उड़ान भरो। कैप्टन शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं। उनसे पहले वर्ष 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा ने सोवियत मिशन के हिस्से के रूप में अंतरिक्ष की यात्रा की थी। पेश है एक रिपोर्ट....

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष में ले जाने वाले एक्सिओम 4 मिशन का नेतृत्व अमरीका की कमांडर पैगी व्हिटसन कर रही हैं। इसमें भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला मिशन पायलट और हंगरी के अंतरिक्ष यात्री टिबोरकापू तथा पोलिश अंतरिक्ष यात्री स्लावोज़ उज़्नान्स्की–विस्नीव्स्की मिशन विशेषज्ञ हैं। इसरो ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि एक्सिओम 4 कल भारतीय समयानुसार शाम साढे चार बजे अंतर्राष्ट्रीयअंतरिक्ष स्टेशन से डॉक करेगा। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर चालक दल लगभग दोसप्ताह बिताएँगे जहाँ वे माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन और आउटरीच कार्यक्रम आयोजित करेंगे। आकाशवाणी समाचार कक्ष से ....

उड़ान भरने के कुछ देर बाद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष से संदेश भेजा। इस संदेश में उन्होंने कहा कि भारत 41 साल बाद एक बार फिर अंतरिक्ष में है। उन्होंने कहा कि यह यात्रा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है। बाइट.....

नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियो, 41 साल बाद हम वापस अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं और कमाल की राइड थी। इस समय हम साढे सात किलोमीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार से पृथ्वी के चारों तरफ घूम रहे हैं, और मेरे कंधे पर मेरे साथ मेरा तिरंगा है जो मुझे बता रहा है कि मैं आप सबके साथ हूं। ये

मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक की ये जर्नी की शुरूआत नहीं है, ये भारत के ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम की शुरूआत है।

इस ऐतिहासिक अवसर का जश्न मनाने के लिए शुभांशु के माता–पिता ने लखनऊ में शुभांशु के स्कूल में छात्रों और शिक्षकों के साथ लॉन्च का सजीव प्रसारण देखा। इस अवसर पर शुभांशु शुक्ला के परिवार में गर्व और खुशी का माहौल है। उनकी मां आशा शुक्ला ने कहा कि वह इस बात को लेकर बहुत गौरवांवित हैं कि उनके बेटे ने आज इतिहास रच दिया है। बाइट...

दोनों ही चीजें है गौरव भी महसूस हो रहा है और उल्लास भी लग रहा है। सब कुछ बढ़िया लग रहा है और अच्छा ही है हमारे लिये हमारे बेटे ने इतिहास रच दिया।

शुभांशु की बहन शुचि मिश्रा ने कहा कि यह पल उनके लिए बहुत भावनात्मक है। उन्होंने बताया कि उनका परिवार को विश्वास है कि यह मिशन सफल होगा। बाइट–

पैरेन्हस ने सुबह से बहुत अच्छे से पूजा की उनके लिये उनके मिशन को सक्सेसफुल बनाने के लिये उसके बाद हमारी बात भी हुई शुभाशु से वह बहुत कांफीडेंट और हैप्पी थे। उसके इस कांफिटेंट की वजह से हम कांफिडेंट फील करते है कि जो होगा अच्छा होगा।

————————

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया पोस्ट में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में भारत के लिए एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा है कि

भारतीय अंतरिक्ष यात्री, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय बनने की राह पर हैं। वह अपने साथ एक अरब 40 करोड भारतीयों की इच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर आए हैं। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मिशन के लिए शुभांशु शुक्ला को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, इस अंतर्राष्ट्रोय अंतरिक्ष मिशन में भारत की भागीदारी वैज्ञानिक प्रगति और वैश्विक सहयोग के प्रतिहमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

————————

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आगरा में अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना समेत कई अन्य प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि आगरामें आलू केंद्र की स्थापना होने से इस क्षेत्र में आलू और शकरकंद की उत्पादकता, कटाई के बाद प्रबंधन और मूल्यसंवर्धन में सुधार के साथ ही, किसानों की आय और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा। बाइट–

उत्तर प्रदेश भारत में सबसे बड़ा आलू का उत्पादन है और उत्तर प्रदेश में आगरा के आसपास वाला यंत्र है वह आलू का बड़ा बेल्ट है इस बेल्ट में आगरा में इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर है उसका रिजिनल सेंटर स्थापित किया। 111 करोड रुपये की लागत से राज्य सरकार ने बहुत ही निर्णायक तरीके से आलरंग जमीन दे दी है और अब वहा पर केन्द्र सरकार और राज्य सऔर इंटरनेशनल सेंटर में सहयोग से यह सेंटर बनेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के साथ–साथ कृषि आधारित रोजगार और कृषक–समृद्धि को भी नई दिशा देगा। इस फैसले से आगरा के किसान भी उत्साहित हैं। आलू किसान रामदास ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय आलू केंद्र खुलन से किसानों को बहुत लाभ होगा। बाइट–

इस अतंर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र के शुरू होने से न सिर्फ आलू का उत्पादन बढ़ेगा बल्कि किसानों की आय भी बढ़ेगी। अतंर्राष्ट्रीय आलू केन्द्र की आगरा में स्थापना करने की योजना के लिये पीएम नरेन्द्र मोदी का बहुत बहुत आभार व्यक्त किया है।

————————

ब्रेक

यह समाचार आप आकाशवाणी लखनऊ से सुन रहे हैं।

ताज़ा समाचार जानने के लिये आप हमारी वेबसाइट न्यूज़ ऑन ए0आई0आर0 डॉट जी0ओ0वी0 डॉट आई0एन0 पर लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही आप प्रादेशिक समाचारों का यह बुलेटिन हमारे यूट्यूब चैनल न्यूज ऑन एआईआर लखनऊ पर भी सुन सकते हैं।

————————

आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर आज देशभर में संविधान हत्या दिवस मनाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में आज आपातकाल की घोषणा के पचास साल

पूरे होने पर एक प्रस्ताव पारित किया गया। वहीं प्रदेशभर में आपातकाल की 50वीं बरसी पर संगोष्ठियों का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि 25 जून 1975 का दिन भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का दुर्भाग्यपूर्ण दिन था। बाइट....

आज का दिन हम सबके लिये संविधान बनाने का दिवस को एक संकल्प के रूप में देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के संकल्पों से प्रेरणा ग्रहण करने का एक अवसर देता है। कैसे कैसी प्रतारणा हुई हमें आने वाली पीढ़ी को बताना होगा।

————————

संविधान हत्या दिवस हमें उन घटनाओं की याद दिलाता है, जब 25 जून, 1975 को संविधान का गला घोंटकर देश पर आपातकाल थोप दिया गया था। यह आपातकाल से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने का दिन है। पेश है एक रिपोर्ट....

आपातकाल के दौरान जय प्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और अन्य विपक्षी नेताओं को आंतरिक सुरक्षा अधिनियम मीसा के तहत गिरफ्तार किया गया था। शाह आयोग की रिपोर्ट के अनुसार इस अधिनियम का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था और लगभग 35000 लोगों को बिना किसी सुनवाई के हिरासत में लिया गया था। भारतीय जेलों में 183000 की क्षमता के मुकाबले 2 लाख 20 हजार से अधिक कैदी थे। इनमें से 126000 से अधिक विचाराधीन कैदी थे। आकाशवाणी के मन की बात कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि आपातकाल के दौरान अत्याचारों का सामना करने के बावजूद लोगों का लोकतंत्र में विश्वास बरकरार रहा। जब

इमरजेंसी लगाई गई उसमें देश के नागरिकों से सारे अधिकार छीन लिए। लगभग 21 महीने तक चले आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था और मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिए गए थे। अनुपम मिश्र, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

———————

केंद्र सरकार ने आज गौतम बुद्ध नगर में 417 करोड़ रूपये की लागत से इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्लस्टर 2.0 की स्थापना को स्वीकृति दे दी है। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव और राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने आज इस परियोजना की समीक्षा की। इस परियोजना को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित किया जाएगा।

———————

राज्य सहकारी डेयरी फेडरेशन द्वारा संचालित कानपुर, गोरखपुर, कन्नौज डेयरी प्लांट का संचालन अब राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में इसको लेकर आज एक एमओयू किया गया। इस एमओयू के तहत अम्बेडकरनगर स्थित पशुआहार निर्माणशाला के संचालन की ज़िम्मेदारी भी राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड को सौंपी गई है।

———————

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने आज मुरादाबाद में संविधान साहित्य वाटिका का उद्घाटन किया। इस पार्क में सिंधु सभ्यता से लेकर वर्तमान भारतीय गणराज्य की झलक

है। इससे पहले श्री बिरला ने ट्रेडर्स और एक्सपोर्टर्र से संवाद करते हुए मुरादाबाद के हस्तशिल्प को सराहा और कहा कि यहां कौशल विकास केन्द्र खोला जायेगा।

————————

प्रदेश के अधिकांश जनपदों में रुक रुक कर बारिश से पश्चिमी ज़िलों में नदियां उफान पर हैं। सहारनपुर मं बारिश के कारण कई गांवों का तहसील से संपर्क कट गया है। बाढ़ की आशंका के मद्देनज़र प्रशासन ने बाढ़ चौकियों को अलर्ट कर दिया है। उधर, अमरोहा में भी बिजनौर बैराज से पानी छोड़े जाने से गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। मौसम विभाग ने आगामी दो दिनों में प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बारिश होने का अनुमान जताया है।

(समाप्त)